पांडेय बेचन शर्मा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र': परिचय और साहित्यिक योगदान

प्रश्न 1 (आसान). पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' का जन्म कहाँ हुआ था?
उत्तर – उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर जिले के चुनार नामक ग्राम में।

प्रश्न 2 (आसान). 'उग्र' जी की किन्हीं दो कहानियों के नाम बताइए।
उत्तर – 'उसकी माँ', 'कला का पुरस्कार'।

प्रश्न 3 (मध्यम). पत्रकारिता में 'उग्र' जी की विशेष पहचान किस मंडल से थी?
उत्तर – 'मतवाला-मंडल' से।

प्रश्न 4 (कठिन). 'उग्र' जी की लेखन शैली की दो प्रमुख विशेषताएं बताइए।
उत्तर – उनकी शैली 'व्यंग्यपरक' थी, जो मज़ाकिया अंदाज़ में गहरी बात कहती थी, और भाषा 'सरल, अलंकृत और व्यावहारिक' थी, जिसमें उर्दू के शब्द भी अनायास आ जाते थे।

» उग्र जी की प्रमुख कृतियाँ और भाषा शैली

प्रश्न 5 (आसान). उग्र जी की किसी एक आत्मकथा का नाम बताइए।
उत्तर – 'अपनी खबर'

प्रश्न 6 (आसान). उग्र जी की भाषा में किस भाषा के शब्द अनायास ही आ जाते थे?
उत्तर – उर्दू

प्रश्न 7 (मध्यम). उग्र जी द्वारा लिखित किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।
उत्तर – 'चंद हसीनों के खतूत' और 'दिल्ली का दलाल'

प्रश्न 8 (कठिन). उग्र जी की भाषा को 'मूर्तिमंत' और 'मर्मस्थल पर सीधा प्रहार' करने वाली क्यों कहा गया है?
उत्तर – उनकी भाषा में भावनाओं को सजीव रूप देने की शक्ति थी, जिससे पाठक उन भावों को महसूस कर पाता था और वे सीधे उसके दिल को छू जाती थीं।

» 'उसकी माँ' कहानी का केंद्रीय भाव और सामाजिक संदर्भ

प्रश्न 9 (आसान). 'उसकी माँ' कहानी किस युग की पृष्ठभूमि पर आधारित है?
उत्तर – प्रेमचंदयुगीन

प्रश्न 10 (आसान). कहानी में युवा पीढ़ी का मुख्य लक्ष्य क्या है?
उत्तर – शासन-तंत्रा को उखाड़ फेंकना या देश की दुरवस्था सुधारना

प्रश्न 11 (मध्यम). कहानी में माँ और युवा पीढ़ी की सोच में क्या मूलभूत अंतर है?
उत्तर – युवा पीढ़ी देश के सुधार और व्यवस्था परिवर्तन पर केंद्रित है, जबकि माँ की चिंता अपने बेटे की खुशहाली और सुरक्षा पर है।

प्रश्न 12 (कठिन). 'दुष्ट, व्यक्ति-नाशक राष्ट्र के सर्वनाश में अपना योगदान ही इस पीढ़ी का सपना है' - इस कथन से तत्कालीन युवा पीढ़ी की मानसिकता कैसे स्पष्ट होती है?
उत्तर – यह कथन दर्शाता है कि तत्कालीन युवा पीढ़ी देश की बुरी व्यवस्था से इतनी हताश थी कि उन्हें लगता था कि ऐसे राष्ट्र को खत्म करना ही उनका कर्तव्य और सपना है, वे बदलाव के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार थे।

» कहानी का आरंभ: पुलिस सुपरिंटेंडेंट का आगमन

प्रश्न 13 (आसान). पुलिस सुपरिंटेंडेंट कौन थे और वे क्यों आए थे?
उत्तर – पुलिस सुपरिंटेंडेंट शहर के प्रमुख पुलिस अधिकारी थे। वे लेखक से 'लाल' नामक व्यक्ति के बारे में पूछताछ करने आए थे।

प्रश्न 14 (आसान). लेखक ने पुलिस सुपरिंटेंडेंट का स्वागत कैसे किया?
उत्तर – लेखक ने हाथ मिलाकर पुलिस सुपरिंटेंडेंट को एक गद्दीदार कुर्सी पर बिठाया और विनम्रता से उनकी आज्ञा पूछी।

प्रश्न 15 (मध्यम). पुलिस सुपरिंटेंडेंट ने लेखक से 'लाल' के बारे में सबसे पहले क्या पूछा?
उत्तर – पुलिस सुपरिंटेंडेंट ने डायरी से एक तस्वीर निकालकर लेखक से पूछा कि क्या वे इस व्यक्ति को पहचानते हैं, और फिर उसके नाम और ठिकाने के बारे में पूछा।

प्रश्न 16 (कठिन). पुलिस सुपरिंटेंडेंट के अचानक आने पर लेखक के 'घबराने' के पीछे क्या कारण हो सकता है?
उत्तर – पुलिस सुपरिंटेंडेंट का अचानक आना किसी गंभीर सरकारी काम या जांच का संकेत था। लेखक शायद किसी अनचाही मुसीबत में फंसने की आशंका से घबरा गए थे, क्योंकि आमतौर पर पुलिस बेवजह ऐसे नहीं आती।

» लाल और चाचा के बीच वैचारिक संघर्ष

प्रश्न 17 (आसान). चाचा किस प्रकार के व्यक्ति थे?
उत्तर – चाचा राजभक्त और व्यावहारिक व्यक्ति थे।

प्रश्न 18 (आसान). लाल किस प्रकार के विचारों का समर्थक था?
उत्तर – लाल राजविद्रोही और क्रांतिकारी विचारों का समर्थक था।

प्रश्न 19 (मध्यम). चाचा ने लाल को विद्रोह न करने के लिए क्या तर्क दिया था?
उत्तर – चाचा ने कहा था कि लाल के हाथ दुर्बल हैं और जो सरकार से पंजा लेंगे, वे खुद 'चर्र-मर्र हो उठेंगे, नष्ट हो जाएँगे'।

प्रश्न 20 (कठिन). लाल ने चाचा के 'दुर्बल हाथ' वाले तर्क का क्या जवाब दिया?
उत्तर – लाल ने जवाब दिया, 'नष्ट हो जाना तो यहाँ का नियम है। जो सँवारा गया है, वह बिगड़ेगा ही। हमें दुर्बलता वेफ डर से अपना काम नहीं रोकना चाहिए।' वह मानता था कि कर्म के समय भुजाएँ 'भगवान की सहस्र भुजाओं की सखियाँ हैं'।

» जानकी की सरलता और बच्चों का देशप्रेम

प्रश्न 21 (आसान). बच्चे ने जानकी के किस अंग को हिमालय बताया?
उत्तर – सिर को

प्रश्न 22 (आसान). जानकी के माथे की रेखाओं को किसकी उपमा दी गई?
उत्तर – गंगा और यमुना की

प्रश्न 23 (मध्यम). जानकी की सरलता और त्याग की कौन-सी बात तुम्हें सबसे ज़्यादा छूती है?
उत्तर – उसकी झुर्रियों में देश का नक्शा देखना और अपने बच्चों के लिए हर मुसीबत सहना।

प्रश्न 24 (कठिन). क्या तुम्हें लगता है कि बच्चों का जानकी को भारत माता कहना सिर्फ एक कल्पना थी, या उसके पीछे कोई गहरा अर्थ था? विस्तार से समझाओ।
उत्तर – यह सिर्फ कल्पना नहीं थी, बल्कि गहरा अर्थ था। बच्चे जानकी के साधारण और त्यागमय जीवन में भारत माता की छवि देख रहे थे। उसकी सादगी, वृद्धता और निस्वार्थ प्रेम उन्हें देश के प्रति समर्पण जैसा लगा। यह दिखाता है कि कैसे साधारण लोग भी राष्ट्रप्रेम का प्रतीक बन सकते हैं और युवा पीढ़ी उन्हें किस नज़र से देखती है।

» पुलिस की कार्रवाई और लाल की गिरफ्तारी

प्रश्न 25 (आसान). पुलिस ने लाल के घर की तलाशी कितने घंटे तक ली?
उत्तर – बारह घंटे तक।

प्रश्न 26 (आसान). लाल के साथ कितने साथी पकड़े गए थे?
उत्तर – बारह-पंद्रह साथी।

प्रश्न 27 (मध्यम). लाल के घर से पुलिस को क्या-क्या चीजें मिली थीं?
उत्तर – दो पिस्तौल, बहुत से कारतूस और पत्र।

प्रश्न 28 (कठिन). लाल और उसके साथियों पर लगाए गए आरोपों का समाज पर क्या प्रभाव पड़ा होगा?
उत्तर – इससे समाज में डर और तनाव का माहौल पैदा हुआ होगा, लोग विद्रोही विचारधारा से दूर रहने लगे होंगे, और लाल की माँ जैसी महिलाओं को और भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा होगा।

» जानकी का संघर्ष और अदम्य विश्वास

प्रश्न 29 (आसान). जानकी ने अपने बेटे और उसके साथियों के लिए जेल में क्या भेजा?
उत्तर – भोजन

प्रश्न 30 (आसान). वह वकीलों से क्या करती थी?
उत्तर – गिड़गिड़ाती थी

प्रश्न 31 (मध्यम). जानकी को बच्चों के बारे में क्या विश्वास था?
उत्तर – उसे विश्वास था कि बच्चे निर्दोष हैं और उन्हें फँसाया जा रहा है।

प्रश्न 32 (कठिन). जानकी के संघर्ष और विश्वास का उसके शरीर पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – उसका शरीर 'सूखकर काँटा' हो गया, कमर 'झुककर ध्नुष-सी' हो गई, और आँखें 'निस्तेज' हो गईं, लेकिन उसने हार नहीं मानी।

» लाल और उसके साथियों को फाँसी की सज़ा

प्रश्न 33 (आसान). अदालत ने लाल और कितने साथियों को फाँसी की सज़ा सुनाई थी?
उत्तर – लाल और तीन अन्य साथियों को।

प्रश्न 34 (आसान). फाँसी की सज़ा सुनकर बच्चे अदालत से कैसे बाहर आए?
उत्तर – बेड़ियाँ बजाते, मस्ती से झूमते।

प्रश्न 35 (मध्यम). बंगड़ ने अपनी माँ से क्या कहकर हिम्मत दी?
उत्तर – बंगड़ ने कहा कि माँ ने उन्हें इतना हलवा खिलाया है कि वे इतने मज़बूत हो गए हैं कि फाँसी की रस्सी भी टूट जाएगी और वे अमर रहेंगे। उसने माँ के सूखकर काँटा होने पर चिंता भी जताई।

प्रश्न 36 (कठिन). लाल ने अपनी माँ को 'स्वतंत्रता की दुनिया' में मिलने का वादा क्यों किया? इसका गहरा अर्थ क्या है?
उत्तर – लाल ने अपनी माँ को 'स्वतंत्रता की दुनिया' में मिलने का वादा इसलिए किया क्योंकि वह अपनी शहादत को एक दुखद अंत के बजाय एक बड़े लक्ष्य के लिए बलिदान के रूप में प्रस्तुत करना चाहता था। इसका गहरा अर्थ यह था कि वे अपने जीवन का बलिदान देकर देश के लिए आज़ादी ला रहे थे, और माँ को यह संदेश दे रहे थे कि उनकी मृत्यु एक 'आज़ाद' और बेहतर दुनिया की ओर ले जाएगी, जहाँ वे सब फिर से मिल सकेंगे। यह माँ को हिम्मत देने और अपने बलिदान को गौरवपूर्ण बनाने का एक तरीका था।

» चाचा का आंतरिक द्वंद्व और लाल की अंतिम चिट्ठी

प्रश्न 37 (आसान). चाचा के मन में लाल के प्रति कौन सी भावना थी?
उत्तर – मोह या स्नेह।

प्रश्न 38 (आसान). चाचा को किस बात का डर था?
उत्तर – पुलिस और समाज का डर।

प्रश्न 39 (मध्यम). लाल ने अपनी अंतिम चिट्ठी में माँ से क्या कहा?
उत्तर – लाल ने माँ से कहा कि वह हमेशा उसकी जननी रहेगी और वे हमेशा मिलते रहेंगे। उसने माँ को ढांढस बंधाया कि उसे फाँसी हो रही है, पर माँ का प्रेम हमेशा उसके साथ रहेगा।

प्रश्न 40 (कठिन). चाचा के आंतरिक द्वंद्व का उनके व्यवहार पर क्या असर पड़ा? क्या वे अपने मोह को प्राथमिकता दे पाए?
उत्तर – चाचा का आंतरिक द्वंद्व इतना गहरा था कि डर उन पर हावी हो गया। वे अपने सुखों और ज़मींदारी को खोने से डरते थे, इसलिए वे अपने मोह को प्राथमिकता नहीं दे पाए और लाल का नाम किताब से मिटाने की कोशिश की। यह उनके भय की जीत और मोह की हार को दर्शाता है।

» जानकी का बलिदान और कहानी का अंत

प्रश्न 41 (आसान). जानकी की मृत्यु का तात्कालिक कारण क्या था?
उत्तर – अपने बेटे 'लाल' की मृत्यु की खबर।

प्रश्न 42 (आसान). कहानी का अंत दुखद क्यों कहा गया है?
उत्तर – क्योंकि जानकी अपने बेटे को खोकर प्राण त्याग देती है, और उसका संघर्ष व्यर्थ हो जाता है।

प्रश्न 43 (मध्यम). 'साँस बंद है, आँखें खुलीं...' पंक्ति से जानकी की किस मनःस्थिति का पता चलता है?
उत्तर – यह पंक्ति जानकी के गहरे सदमे, बेबसी और अवर्णनीय पीड़ा को दर्शाती है, जैसे कि उसकी आत्मा अभी भी अपने बेटे को खोज रही हो, भले ही शरीर ने साथ छोड़ दिया हो।

प्रश्न 44 (कठिन). जानकी का बलिदान उसे 'भारत माता' के रूप में कैसे स्थापित करता है? कहानी के अंत के संदर्भ में समझाइए।
उत्तर – जानकी का बलिदान उसे भारत माता के रूप में स्थापित करता है क्योंकि वह अपने बेटे (जो देश के लिए लड़ रहा था) के लिए सब कुछ न्योछावर कर देती है - अपनी संपत्ति, अपनी सेहत और अंततः अपना जीवन। उसकी मृत्यु सिर्फ़ एक माँ की नहीं, बल्कि उस देश की माँ की पीड़ा को दर्शाती है जो अपने बच्चों को आज़ादी के लिए खो रही थी। 'उसकी पुकार को दोहराते हुए' वह अंत तक अपने बच्चे और उसके आदर्शों से जुड़ी रहती है, जैसे भारत माता अपने बेटों के बलिदान को याद करती है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' के साहित्यिक योगदान में उनकी पत्रकारिता की भूमिका और उनकी 'अपनी खबर' आत्मकथा की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

› सबसे पहले, हम 'उग्र' जी के पत्रकारिता से गहरे जुड़ाव को समझेंगे। वे 'आज, विश्वमित्र, स्वदेश' जैसे कई पत्रों के संपादक रहे, और 'मतवाला-मंडल' के प्रमुख सदस्य थे।

› उनकी पत्रकारिता ने उन्हें समाज के करीब लाया, जिससे उन्हें अपने लेखन के लिए विषय मिले और उनकी शैली में तीखापन आया।

› फिर हम उनकी आत्मकथा 'अपनी खबर' पर बात करेंगे। यह उनकी अपनी जीवनी है जो बहुत 'चर्चित' है।

› यह आत्मकथा हमें उनके जीवन के संघर्षों, विचारों और उनके व्यक्तित्व की गहरी जानकारी देती है, जो उनके साहित्य को समझने में मदद करती है।

उत्तर – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' की पत्रकारिता ने उन्हें समाज से जोड़ा और उनकी लेखन शैली को धार दी। 'मतवाला-मंडल' से उनका जुड़ाव उनकी विशेष पहचान था। उनकी आत्मकथा 'अपनी खबर' साहित्य जगत में अत्यधिक चर्चित रही, जो उनके जीवन और विचारों को जानने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

उदाहरण 2. पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' की किन्हीं दो प्रमुख कहानियों और उनकी आत्मकथा का नाम बताइए। उनकी भाषा शैली की दो मुख्य विशेषताएँ भी लिखिए।

› पहला चरण: उग्र जी की दो कहानियों के नाम याद करें। जैसे, 'पंजाब की महारानी' और 'कला का पुरस्कार'।

› दूसरा चरण: उनकी आत्मकथा का नाम याद करें। वह है 'अपनी खबर'।

› तीसरा चरण: उनकी भाषा शैली की दो विशेषताओं पर ध्यान दें। किताब में बताया गया है कि उनकी भाषा 'सरल, अलंकृत और व्यावहारिक' थी, और उसमें 'उर्दू के व्यावहारिक शब्द भी अनायास ही आ जाते थे'। साथ ही, उनकी शैली 'व्यंग्यपरक' भी थी।

उत्तर – उग्र जी की दो प्रमुख कहानियाँ हैं: 'पंजाब की महारानी' और 'कला का पुरस्कार'। उनकी आत्मकथा का नाम 'अपनी खबर' है। उनकी भाषा शैली की दो मुख्य विशेषताएँ हैं: यह सरल, अलंकृत और व्यावहारिक थी, और इसमें उर्दू के शब्द अनायास ही आ जाते थे। साथ ही, उनकी शैली व्यंग्यपरक भी थी।

उदाहरण 3. 'उसकी माँ' कहानी में युवा पीढ़ी का विद्रोह किन मुख्य कारणों से उत्पन्न होता है और माँ की भूमिका इसमें कैसे अलग है?

› पहला कदम: कहानी के सामाजिक संदर्भ को समझना। यह कहानी प्रेमचंद युग की है, जब देश गुलामी और कुशासन से जूझ रहा था।

› दूसरा कदम: युवा पीढ़ी के विद्रोह के कारणों पर ध्यान देना। 'देश की दुरवस्था' और 'शासन-तंत्रा' की विफलता ही युवाओं के विद्रोह का मुख्य कारण थी। उन्हें लगता था कि मौजूदा व्यवस्था 'दुष्ट' है और उसे बदलना ज़रूरी है।

› तीसरा कदम: माँ की भूमिका का विश्लेषण करना। इस सबके बीच, माँ एक अलग ध्रुव पर खड़ी है। वह 'अपना बेटा चाहती है, अपना लाल और उसकी खुशहाली'। उसकी प्राथमिकता समाज या राजनीति नहीं, बल्कि अपने बेटे की सुरक्षा और कल्याण है, जो उसे विद्रोही युवाओं से अलग करती है।

› चौथा कदम: केंद्रीय भाव को जोड़ना। कहानी का केंद्रीय भाव समाज सुधार और युवा विद्रोह को माँ की ममता के साथ जोड़कर दिखाता है कि कैसे व्यक्तिगत भावनाएं और सामाजिक-राजनैतिक उथल-पुथल एक साथ चलती हैं।

उत्तर – 'उसकी माँ' कहानी में युवा पीढ़ी का विद्रोह देश की दुरवस्था और भ्रष्ट शासन-तंत्रा के प्रति असंतोष से उत्पन्न होता है, जहाँ वे मौजूदा व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहते हैं। इसके विपरीत, माँ की भूमिका ममता और पुत्र-स्नेह से भरी है, जहाँ उसकी एकमात्र चिंता अपने बेटे की खुशहाली और सुरक्षा है, जो उसे राजनैतिक उथल-पुथल से अलग एक मानवीय धरातल पर खड़ा करती है।

उदाहरण 4. कहानी की शुरुआत में लेखक किस अवस्था में थे और पुलिस सुपरिंटेंडेंट के आगमन पर उनकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

› कहानी की शुरुआत में लेखक अपने कमरे में पुस्तकालय देखते हुए शांति से बैठे थे। वे अपनी किताबों और विचारों में लीन थे।

› जब नौकर ने पुलिस सुपरिंटेंडेंट का कार्ड दिया, तो लेखक 'कुछ घबराया'।

› लेखक ने सोचा 'ऐसे बेवक्त ये कैसे आए?' जिससे उनकी हैरानी और थोड़ी चिंता व्यक्त होती है।

उत्तर – कहानी की शुरुआत में लेखक अपने पुस्तकालय में शांति से बैठे थे। पुलिस सुपरिंटेंडेंट के अचानक आगमन पर लेखक घबरा गए और उन्हें आश्चर्य हुआ कि वे ऐसे समय क्यों आए।

उदाहरण 5. लाल और चाचा के वैचारिक संघर्ष को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि दोनों के प्रमुख तर्क क्या थे?

› पहले चाचा के विचारों को समझाएँ कि वे क्यों राजभक्त थे और उनके क्या तर्क थे। (जैसे, 'तुम्हारे हाथ दुर्बल हैं, उनसे जिनसे तुम पंजा लेने जा रहे हो, चर्र-मर्र हो उठेंगे')

› फिर लाल के विचारों को स्पष्ट करें कि वह क्यों राजविद्रोही था और उसके तर्क क्या थे। (जैसे, 'नष्ट हो जाना तो यहाँ का नियम है। जो सँवारा गया है, वह बिगड़ेगा ही')

› दोनों के विचारों का तुलनात्मक विश्लेषण करें और बताएँ कि यह संघर्ष किस बात को दर्शाता है।

› निष्कर्ष में यह बताएँ कि यह तत्कालीन समाज की दो अलग-अलग सोच का प्रतीक है।

उत्तर – चाचा एक राजभक्त, व्यावहारिक व्यक्ति थे जो पुरानी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते थे। उनका मानना था कि सरकार से उलझना व्यर्थ है, क्योंकि युवक के हाथ दुर्बल हैं और वह नष्ट हो जाएगा। वे सुरक्षा और पद की गरिमा को महत्व देते थे। वहीं, लाल एक कट्टर राजविद्रोही था, जो युवा पीढ़ी का प्रतीक था। उसका मानना था कि अन्यायपूर्ण व्यवस्था का

सर्वनाश हो जाना चाहिए, भले ही इसमें जान का जोखिम हो। वह कर्म को महत्व देता था और षड्यंत्र, विद्रोह, यहाँ तक कि हत्या को भी उचित मानता था, क्योंकि उसका मानना था कि 'नष्ट हो जाना तो यहाँ का नियम है।' यह संघर्ष तत्कालीन भारत में ब्रिटिश शासन के प्रति पुरानी पीढ़ी की राजभक्ति और युवा पीढ़ी की क्रांतिकारी भावना के बीच के गहरे मतभेद को दर्शाता है।

उदाहरण 6. कहानी में लाल के साथियों ने जानकी को 'भारत माता' के समान क्यों कहा है? समझाओ।

› पहला कदम: हमें समझना होगा कि भारत माता की कल्पना में देश की धरती, नदियाँ, पहाड़ और सादगी होती है।

› दूसरा कदम: जानकी के 'बूढ़ी' होने, उसके 'सफेद केश' (बाल) और उसके 'चेहरे की झुर्रियों' का ज़िक्र है।

› तीसरा कदम: बच्चों ने जानकी के सिर को 'हिमालय', माथे की रेखाओं को 'गंगा-यमुना', नाक को 'विंध्याचल' और ठोढ़ी को 'कन्याकुमारी' बताया।

› चौथा कदम: यह दर्शाता है कि जानकी की सादगी, उम्र और उसका त्याग बच्चों को बिलकुल भारत माता जैसा लगा, जहाँ उसके शरीर के हर अंग में उन्हें देश की छवि नज़र आई।

› पाँचवाँ कदम: बच्चे जानकी की परवाह और प्रेम को देश के प्रति अपनी भावना से जोड़कर उसे भारत माता का रूप देते हैं।

उत्तर – लाल के साथियों ने जानकी की सादगी, उसके वृद्ध रूप और उसके चेहरे की हर रेखा में देश की नदियों, पहाड़ों और भौगोलिक संरचना की छवि देखी। उसके त्याग और प्रेम को उन्होंने भारत माता के समान माना, जो अपने बच्चों के लिए सबकुछ सहती है।

उदाहरण 7. कहानी में लाल और उसके साथियों पर कौन-कौन से मुख्य आरोप लगाए गए थे?

› पाठ में पुलिस कार्रवाई वाले खंड को ध्यान से पढ़ें।

› उन वाक्यों को पहचानें जहाँ लाल और उसके साथियों पर लगाए गए आरोपों का जिक्र है।

› किताब में साफ-साफ लिखा है कि उन पर 'हत्या', 'षड्यंत्र', और 'सरकारी राज्य उलटने की चेष्टा' जैसे अपराध लगाए गए थे।

उत्तर – लाल और उसके साथियों पर मुख्य रूप से हत्या, षड्यंत्र और सरकारी राज्य उलटने की चेष्टा जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे।

उदाहरण 8. जानकी ने अपने बेटे और उसके साथियों के लिए किन-किन तरीकों से संघर्ष किया और उसके विश्वास की क्या विशेषता थी?

› पहला कदम: जानकी ने अपने घर का सामान, जैसे 'लोटा, थाली, शेवर' बेचकर अपने बेटे लाल और उसके साथियों के लिए जेल में 'भोजन' पहुँचाया।

› दूसरा कदम: उसने न्याय के लिए 'वकीलों वेफ यहाँ जाकर दाँत निपोरती, गिड़गिड़ाती' थी, यह कहकर कि 'सब झूठ है' और 'पुलिसवालों ने ऐसी-ऐसी चीशें हमारे घरों से पैदा कर दी हैं।'

› तीसरा कदम: उसका 'अदम्य विश्वास' था कि बच्चे 'सिर्फ बातूनी हैं' और 'पूफल-से बच्चे हत्या कर सवफते हैं?'। वह 'भगवान का चरण छूकर' कहती थी कि वे निर्दोष हैं।

› चौथा कदम: शारीरिक रूप से कमजोर होने पर भी, उसका 'तन सूखकर काँटा हो गया, कमर झुककर ध्नुष-सी हो गई,' फिर भी 'उन बच्चों वेफ लिए दौड़ना, हाय-हाय करना उसने बंद न किया,' जो उसके संघर्ष की अथकता को दर्शाता है।

› पांचवां कदम: उसे 'अंत तक यह विश्वास रहा कि यह सब पुलिस की चालबाशी है' और 'अदालत में जब दूध् का दूध् और पानी का पानी किया जाएगा, तब वे बच्चे शरूर बेदाग छूट जाएँगे।' यह उसका 'अटल विश्वास' था।

उत्तर – जानकी ने घर का सामान बेचकर भोजन पहुँचाया, वकीलों से न्याय की गुहार लगाई और शारीरिक कमज़ोरी के बावजूद बच्चों की निर्दोषता में आख़िरी दम तक अटल विश्वास बनाए रखा।

उदाहरण 9. फाँसी की सज़ा सुनाए जाने पर लाल और उसके साथियों ने अपनी माँ से क्या कहा और इसका क्या महत्व था?

› पहला कदम: अदालत ने लाल और तीन अन्य साथियों को फाँसी की सज़ा सुनाई, और बाकी दस को कड़ी जेल।

› दूसरा कदम: फाँसी की सज़ा मिलने के बावजूद, लाल और उसके साथी बेड़ियाँ बजाते, मस्ती से अदालत के बाहर आए।

› तीसरा कदम: उन्होंने अपनी माँ को देखकर हिम्मत देने वाले शब्द कहे, जैसे बंगड़ ने कहा, 'हमें तो हलवा खिला-खिलाकर तूने गधे-सा तगड़ा कर दिया है, ऐसा कि फाँसी की रस्सी टूट जाए।'

› चौथा कदम: लाल ने माँ से 'स्वतंत्रता की दुनिया' में मिलने का वादा किया, जहाँ वे खेलेंगे और 'बड़ा आनंद' होगा। उसने कहा, 'तू भी जल्द वहीं आना जहाँ हम लोग जा रहे हैं।'

› पांचवां कदम: इसका महत्व यह था कि वे अपनी माँ को यह विश्वास दिला रहे थे कि वे मर नहीं रहे, बल्कि एक बेहतर, आज़ाद दुनिया में जा रहे हैं, और माँ भी वहीं उनसे मिल सकेगी। यह उनका बलिदान था जिसे वे माँ की नज़रों में 'स्वतंत्रता' के रूप में पेश कर रहे थे।

उत्तर – लाल और उसके साथियों ने फाँसी की सज़ा मिलने पर अपनी माँ से कहा कि वे एक 'स्वतंत्रता की दुनिया' में जा रहे हैं जहाँ 'बड़ा आनंद' है और माँ भी जल्द वहीं आ जाए, ताकि वे एक साथ मिल सकें। इसका महत्व यह था कि वे अपनी शहादत को माँ के सामने एक दुखद अंत के बजाय एक नई आज़ादी की शुरुआत के रूप में पेश कर रहे थे, ताकि माँ को हिम्मत मिले और वह उनके बलिदान पर गर्व कर सके।

उदाहरण 10. पाठ में चाचा के आंतरिक द्वंद्व को दर्शाने वाले कोई दो ऐसे वाक्य बताइए, जिससे उनके मन का मोह और भय दोनों स्पष्ट होते हों।

› पहला वाक्य, जब उन्हें लाल के प्रति मोह होता है, वह है: 'एक बार मेरे मन में बड़ा मोह उत्पन्न हुआ उस लड़के के लिए।' इस वाक्य से लाल के प्रति चाचा का स्नेह और लगाव दिखता है।

› दूसरा वाक्य, जब उन्हें डर का अनुभव होता है, वह है: 'पर, दूसरे ही क्षण पुलिस सुपरीटेंडेंट का ध्यान आया। उसकी भूरी, डरावनी, अमानवी आँखें मेरी 'आप सुखी तो जग सुखी' आँखों में वैसे ही चमक गईं।' इससे उनका पुलिस और समाज का डर स्पष्ट होता है।

उत्तर – चाचा के आंतरिक द्वंद्व को दर्शाने वाले दो वाक्य हैं: 'एक बार मेरे मन में बड़ा मोह उत्पन्न हुआ उस लड़के के लिए।' और 'पर, दूसरे ही क्षण पुलिस सुपरीटेंडेंट का ध्यान आया। उसकी भूरी, डरावनी, अमानवी आँखें मेरी 'आप सुखी तो जग सुखी' आँखों में वैसे ही चमक गईं।'

उदाहरण 11. जानकी की मृत्यु कहानी में क्या महत्त्व रखती है?

› पहला, जानकी की मृत्यु कहानी के 'नायक' लाल की मृत्यु से जुड़ी हुई है, जिससे पाठक को उसकी माँ के रूप में उसकी पीड़ा समझ आती है।

› दूसरा, यह उसके 'संघर्ष' और 'अदम्य विश्वास' के अंत को दर्शाती है, कि लाख कोशिशों के बाद भी वह अपने बेटे को नहीं बचा पाई।

› तीसरा, 'साँस बंद है, आँखें खुलीं...' जैसी पंक्तियाँ उसके गहरे 'दुख' और 'निराशा' को दिखाती हैं, जो माँ-बेटे के रिश्ते की गहराई बताती है।

› चौथा, यह कहानी को एक 'मार्मिक और शक्तिशाली अंत' देती है, जो पाठक के मन पर गहरा प्रभाव छोड़ता है और तत्कालीन समाज की क्रूरता को भी उजागर करता है।

› अंत में, जानकी का 'बलिदान' उसे सिर्फ़ एक माँ नहीं, बल्कि भारत माता के प्रतीक के रूप में स्थापित करता है, जो अपने बच्चों के लिए सबकुछ न्योछावर कर देती है।

उत्तर – जानकी की मृत्यु कहानी में केवल एक पात्र की मौत नहीं है, बल्कि यह उसके अदम्य विश्वास और संघर्ष का दुखद अंत है, जो माँ-बेटे के रिश्ते की गहराई, तत्कालीन समाज की क्रूरता और भारत माता के बलिदान की भावना को दर्शाते हुए कहानी को एक शक्तिशाली और मार्मिक समापन प्रदान करती है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' के जीवन परिचय और उनके प्रमुख साहित्यिक योगदान, खासकर उनकी पत्रकारिता और 'अपनी खबर' आत्मकथा, पर आधारित प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षाओं में पूछे जाते हैं, इसे अच्छे से तैयार कर लेना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उग्र जी की मुख्य कृतियों और उनकी भाषा शैली की विशेषताओं को उदाहरण सहित अच्छे से याद कर लेना, क्योंकि इन पर अक्सर प्रश्न आते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में इस कहानी से 'केंद्रीय भाव' और 'सामाजिक संदर्भ' पर प्रश्न अक्सर आते हैं। माँ और युवा पीढ़ी के विचारों के अंतर को अच्छे से समझना।

• कहानी के आरंभ के इन दृश्यों और संवादों को ध्यान से पढ़ें, क्योंकि ये 'लाल' के चरित्र और कहानी के मुख्य संघर्ष की पृष्ठभूमि तैयार करते हैं।

• इस भाग से अक्सर चरित्र-चित्रण (character sketch) या वैचारिक मतभेद पर आधारित प्रश्न आते हैं। दोनों के तर्कों को अच्छे से याद रखना।

• यह हिस्सा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ज़रूरी है। लाल पर लगाए गए आरोपों को ध्यान से याद रखना, क्योंकि अक्सर प्रश्न सीधे इन आरोपों से संबंधित होते हैं।

• इस भाग से अक्सर 'जानकी के चरित्र-चित्रण' या 'एक माँ के रूप में जानकी का संघर्ष' पर प्रश्न पूछे जाते हैं। आपको उसके सभी प्रयासों को विस्तार से समझाना होगा।

एक नज़र में रिवीज़न

› उग्र: अभावों में भी प्रतिभाशाली लेखक, पत्रकार, व्यंग्य शैली, 'अपनी खबर' आत्मकथा।

› उग्र जी की कृतियाँ: कहानियाँ, उपन्यास, आत्मकथा 'अपनी खबर'। भाषा: सरल, उर्दू-युक्त, व्यंग्यपरक।

› प्रेमचंदयुगीन समाज सुधार, युवा विद्रोह, माँ की ममता का द्वंद्व।

› पुलिस सुपरिंटेंडेंट का आगमन, 'लाल' की पूछताछ से कहानी आरंभ।

› लाल (राजविद्रोही) और चाचा (राजभक्त) के बीच विचारों का टकराव।

› लाल की गिरफ्तारी, गंभीर आरोप: हत्या, षड्यंत्र, सरकारी राज्य उलटने की चेष्टा।

› जानकी का संघर्ष: सामान बेचकर भोजन, वकीलों से गुहार, बच्चों की निर्दोषता पर अटल विश्वास।